**BSWE-003**
**BSWE-005**
**BSWE-006**

# समाज कार्य में स्नातक उपाधि

(बी.एस.डब्ल्यू. - तृतीय वर्ष)

## सत्रीय कार्य : 2016–17

पाठ्यक्रम शीर्षक

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–003 : समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–005 : एच.आई.वी./एड्स का परिचय

बी.एस.डब्ल्यू.ई.–006 : मादक द्रव्य दुरूपयोग और परामर्श

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई 2016 सत्र – मार्च 31, 2017

जनवरी 2017 सत्र – सितम्बर 30, 2017

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय विद्यार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातक होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप हमारी मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधारने के लिए अपनी योग्यता प्रमाणित कर सकें। बी.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के बी.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।
- अपने प्रयोगात्मक कार्य व्यावसायिक रूप से योग्य समाज कार्यकर्ता जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू/ एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि हो और जिसे आपके अध्ययन केंद्र ने आपको उपलब्ध कराया हो केवल उसके मार्गदर्शन में ही करें।

बी.एस.डब्ल्यू. तृतीय वर्ष के लिए आपको बी.एस.डब्ल्यू.ई.-003, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-005, बी.एस.डब्ल्यू.ई.-006 और अन्य आधार पाठ्यक्रम के लिए प्रत्येक का एक–एक अध्यापक जांच सत्रीय कार्य (टी.एम.ए.) करना होगा।

जुलाई 2007 सत्र से बी.एस.डब्ल्यू. के सभी विद्यार्थियों को क्षेत्र कार्य (समाज कार्य प्रैक्टिकम) : 35% अंकों के साथ उत्तीर्ण करना अनिवार्य है जिसे आप निम्नलिखित से प्राप्त करेंगे :

(i) क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक, और (ii) बाह्य परीक्षक

समाज कार्य अभ्यास (प्रैक्टिकम) में उत्तीर्ण होने के आपके अवसर, उस पर्यवेक्षक पर निर्भर है जो आपका मार्गदर्शन करेगा। याद रखिए कि केवल योग्यता प्राप्त पर्यवेक्षक जिसके पास एम.एस.डब्ल्यू./एम.ए. (समाज कार्य) की उपाधि है, वही आपके क्षेत्र कार्य के लिए आपका मार्गदर्शन करने के लिए पात्र है। यदि इस संबंध में आप कोई कठिनाई अनुभव करते हैं तो आप इसके बारे में अध्ययन केंद्र के अपने संचालक से चर्चा कर सकते हैं। आप समाज कार्य विद्यापीठ में डॉ. सायन्तनी,, कार्यक्रम संयोजक, ई–मेल: sayantani@ignou.ac.in पर संपर्क कर सकते हैं।

बीएसडब्ल्यू कार्यक्रम करने के लिए आपके पास 6 साल हैं। जर्नल जमा करने के लिए कोई विशिष्ट समय सीमा नहीं है। आप यह सुनिश्चित करें कि 6 वर्षों में आपने थ्योरी और प्रैक्टिम पूर्ण कर लिए हैं। आप अपना जर्नल अध्ययन केंद्र में किसी भी समय जमा कराने के लिए स्वतंत्र है। मूल्यांकन विभाग जर्नल का मूल्यांकन साल में दो बार यानि कि जून और दिसंबर के सत्रांत परीक्षा के साथ करता है। इस उद्देश्य के लिए आप जर्नल क्रमशः 30 मई और 30 नवंबर तक मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू नई दिल्ली में अवश्य जमा करा दें।

आप अपना क्षेत्र कार्य जर्नल अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक (Field Work Supervisor) के पास जमा करा सकते हैं। क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक आपकी रिपोर्ट का मूल्यांकन करने के बाद इसे आपके अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेज देगा ताकि यह कुलसचिव, विद्यार्थी मूल्यांकन प्रभाग, इं.गां.रा.मु.वि., मैदान गढ़ी, नई दिल्ली को प्रेषित किया जा सके।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। सत्रीय कार्य हस्तलिखित और साफ तौर पर टाईप और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।

सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करे जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करे, उस पर आवश्यक सुधार करे और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के एक परिचय है, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़े। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

चूंकि समाज कार्य एक व्यावसायिक अध्ययन कार्यक्रम है, इसलिए विद्यार्थियों को नेशनल एसोसिएशन ऑफ प्रोफेशनल सोशल वर्कर्स इन इंडिया (एन.ए.पी.एस.डब्ल्यू.आई.) में विद्यार्थी सदस्यता लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। अधिक जानकारी के लिए आप www.napswi online.org पर लॉग ऑन कर सकते हैं। आप समाज कार्य और इससे जुड़े विषयों पर संबंधित सेमीनार, सम्मेलन और कार्यशाला में भाग भी लेना चाहेगें। NAPSWI e-journal आपको नियमित आधार पर अन्य सूचना के साथ–साथ यह जानकारी प्रदान करेगा जो समाज कार्यकर्ताओं और अर्ध–व्यावसायिकों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

समाज कार्य विद्यापीठ द्वारा आयोजित किए जाने वाले सेमिनार, कान्फ्रेंसस और समाज कार्य व्यावसायिकों एवं विद्यार्थियों की बैठकों के बारे में जानकारी के लिए www.ignou.ac.in पर लॉग आन करें, विद्यापीठ पर क्लिक करें और फिर समाज कार्य विद्यापीठ पर क्लिक करें।

**(डॉ. सायन्तनी गुइन)**
कार्यक्रम संयोजक

# समुदायों और संस्थाओं के साथ समाज कार्य अंतःक्षेप
## सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोड : बी.एस.डब्ल्यू.ई.–003**

**कुल अंक : 100**

**नोट :** i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **500** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) राजनीतिक व्यवस्था में महिलाओं की भागीदारी से संबंधी चुनौतियों की चर्चा करें। 20

अथवा

समुदाय संगठन क्या है? समुदाय संगठनकर्त्ता की भूमिका का वर्णन करें। 20

2) भारत में समाज कल्याण संगठन के इतिहास का पता लगाएं। 20

अथवा

अनुसंधान परियोजना बनाने की योजना के कदमों को स्पष्ट करें। 20

3) a) सामाजिक क्रिया और सामाजिक आंदोलन के आपसी संबंधों की व्याख्या करें। 10

b) सामाजिक अनुसंधान में गुणात्मक व मात्रात्मक दृष्टिकोणों की चर्चा करें। 10

c) कार्यक्षेत्र अभ्यास के दौरान समुदायों के साथ काम करने में जिन मुद्दों का सामना करना पड़ता है, वर्णन करें। 10

d) भारत में मानसिक स्वास्थ्य से संबंधित मौजूदा कानूनों का उल्लेख करें। 10

4) a) समाज कल्याण प्रशासन की मुख्य विशेषताओं की चर्चा करें। 5

b) औपचारिक व अनौपचारिक संगठन के बीच भेद करें। 5

c) युद्ध नियोजन पर टिप्पणी करें। 5

d) समुदाय संगठन के गांधीवादी दृष्टिकोण की व्याख्या करें। 5

e) सामाजिक बदलाव व सामाजिक क्रिया के बीच फर्क करें। 5

f) ''वैयक्तिक अध्ययन'' एक सामाजिक अनुसंधान के तरीके के रूप में, वर्णन करें। 5

5) a) परिवार अदालत 4

b) द्विपक्षीय संगठन 4

c) भारत में NGOs की भूमिका 4

d) झुग्गी समुदाय 4

e) CSWB 4

f) समुदाय स्वास्थ्य 4

g) भोरे समिति, 1946 4

h) राष्ट्रीय महिला आयोग 4

# एच.आई.वी./एड्स का परिचय

## सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोडः बी.एस.डब्ल्यू.ई.–005**

**कुल अंक : 100**

**नोट :** i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) एचआईवी संक्रमण की प्रगति के चरणों की व्याख्या करें। 20

अथवा

मां से शिशु को एचआईवी संचरण संबंधित मुद्दों को उजागर करें। 20

2) एचआईवी संचरण को रोकने के लिए सार्वभौमिक सावधानियों का पालन किया जाता है, वर्णन करें। 20

अथवा

उन कारकों की गणना करें जो एचआईवी/एड्स के संदर्भ में महिलाओं के सशक्तिकरण में मदद करते हैं। 20

3) a) प्रभावी एचआईवी/एड्स शिक्षा के मूल कदमों की चर्चा करें। 10

b) वे महत्वपूर्ण मुद्दे जो एचआईवी से संबंधित कानून के विषय हैं की जांच करें। 10

c) एचआईवी/एड्स से संबंधित मिथकों और गलत धारणाओं की व्याख्या करें। 10

d) एचआईवी/एड्स मरीज की स्वायत्तता के अधिकार पर प्रकाश डालें। 10

4) a) वर्तमान में एचआईवी का कोई इलाज है? चर्चा करें। 5

b) कौन से लोग सबसे ज्यादा एचआईवी के खतरे पर हैं? 5

c) अस्पताल से छुट्टी देते वक्त एचआईवी मरीज को कौन सी सावधानियां लेनी पड़ती हैं? 5

d) एचआईवी/एड्स समुदाय पर निहितार्थ की चर्चा करें। 5

e) मां से बच्चे को संचरण रोकने के लिए उपलब्ध रोकथाम के कुछ तरीकों को सुचीबद्ध करें। 5

| | | | |
|---|---|---|---|
| 5) | a) | राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण संगठन | 4 |
| | b) | पूर्ण विकसित एड्स | 4 |
| | c) | पूर्व–परीक्षण और बाद–परीक्षण परामर्श | 4 |
| | d) | इंजेक्शन से नशा | 4 |
| | e) | एचआईवी और कार्यस्थल | 4 |
| | f) | लक्षित हस्तक्षेप | 4 |
| | g) | आश्रम देखभाल | 4 |
| | h) | अपव्ययी सिंड्रोम | 4 |

# मादक द्रव्य दुरूपयोग और परामर्श

## सत्रीय कार्य

**पाठ्यक्रम कोडः बी.एस.डब्ल्यू.ई.–006**

**कुल अंक : 100**

**नोट :** i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) सभी पाँचों प्रश्नों के अंक समान हैं।

iii) प्रश्न संख्या **1** और **2** के उत्तर (प्रत्येक) **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) नशीली दवाओं के दुरूपयोग के इतिहास का पता लगाएं। 20

अथवा

व्यसन क्या है? व्यसन के विभिन्न चरणों और आर्थिक परिणामों की व्याख्या करें। 20

2) भारत में मादक द्रव्यों के सेवन की सीमा और प्रसार की चर्चा करें। 20

3) a) एसटीडी और एचआईवी संक्रमण के बीच संबंध की चर्चा करें। 10

b) संचार के विभिन्न मॉडलों का वर्णन करें। 10

c) नशा मुक्ति के लिए विभिन्न सामाजिक उपचार रूपरेखा की व्याख्या करें। 10

d) संकट परामर्श की एबीसी विधि विस्तारपूर्वक बताएं। 10

4) a) नशीली दवाओं के दुरूपयोग के विभिन्न प्रेरणार्थक कारको का उल्लेख करें। 5

b) समूह संचार में नेता की भूमिका और कार्य की व्याख्या करें। 5

c) नशीली दवाओं के दुरूपयोग के खिलाफ राष्ट्रीय निकायों की भूमिका की चर्चा करें। 5

d) संचार के रेखीय मॉडल के क्या अर्थ हैं? 5

e) एचआईवी से संबंधित कुछ परामर्श प्रकारों को सूचीबद्ध करें। 5

f) मनोचिकित्सा और परामर्श के बीच भेद करें। 5

5) a) सह–निर्भरता 4

b) पुनर्वासन 4

c) व्यसनी की पहचान करने के तरीके 4

d) फ्लैनलग्राफ 4

e) प्राथमिक समूह 4

f) नेतृत्व की शैलियां 4

g) वैवाहिक चिकित्सा 4

h) लोक मीडिया की विशेषताएं 4